वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 अंक : 177 | मंगलवार 24 अक्टूबर 2023 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

महिलाओं ने निभाई बंगाल की पारंपरिक 'सिंदूर खेला' की रस्म

आपसी प्रेम और सौहार्द का दिया संदेश, मां दुर्गा की इको-फ्रेंडली मूर्ति और पारंपरिक वस्त्र का रहा आकर्षण

जयपुर. कासं

जयपुर के महिला संगठन, शक्ति फाउंडेशन की ओर से सोमवार शाम को जयपुर के होटल गोल्डन ट्यूलिप में बंगाल की पारंपरिक 'सिंदूर खेला' की रस्म उत्साह और उमंग के साथ निभाई गई। कार्यक्रम की शुरूआत 'सिंदूर खेला' की परंपरा और इसके महत्व के बारे में विस्तार से बताने के साथ हुई। जिसके बाद विधिवत पूजा का आयोजन हुआ। बंगाल की पारंपरिक लाल बॉर्डर वाली सफेद रंग की साड़ी में सजी-धज्जी महिलाओं ने पहले मां दुर्गा को सिंदूर अर्पित किया, फिर एक दूसरे को सिंदूर लगाकर 'सिंदूर खेला' की रस्म निभाई। रस्म के दौरान महिलाओं ने एक-एक कर मां दुर्गा की आरती की और अपने सुहाग की लंबी उम्र की कामना की। इस रस्म में न केवल विवाहित महिलाएं बल्कि अविवाहित महिलाओं ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और आपसी प्रेम व सौहार्द का संदेश दिया। कार्यक्रम में कोलकाता से आए स्थानीय कलाकारों के बैंड 'नवदुर्गा रॉकर्स' की प्रस्तुति खास रही। इस अवसर पर महिलाओं ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाई और नृत्य किया। कार्यक्रम में शक्ति फाउंडेशन की सदस्य सोनाक्षी वशिष्ठ, सुष्मिता दास, हीना, अनुपमा अग्रवाल, डॉ. सुप्रिया गुप्ता, निमिषा गुप्ता, संजीता वर्मा, रश्मी बहेती, चेताली सेनगुप्ता, शम्मी गोयल, श्रुति लूथरा उपस्थित रहीं। इस आयोजन को लेकर शक्ति फाउंडेशन की संस्थापक सोनाक्षी वशिष्ठ ने बताया कि यह 5वां वर्ष है जब फाउंडेशन द्वारा जयपुर में 'सिंदूर खेला' का यह आयोजन किया गया है। यह स्थानीय लोगों के लिए नई संस्कृतियों के बारे में जानने और उसको सेलिब्रेट करने की एक पहल है। उन्होंने आगे बताया कि इस आयोजन के लिए मां दुर्गा की इको-फ्रेंडली मूर्ति, पारंपरिक वस्त्र और पूजा के थाल विशेषकर कोलकाता से मंगवाए गए थे। कार्यक्रम में कोलकाता, जयपुर, जोधपुर, अजमेर से लेकर राजस्थान के अन्य शहरों से भी फाउंडेशन की सदस्यों ने भाग लिया।

बंगाली समुदाय के लिए बेहद खास...

दुर्गा पूजा के आखिरी दिन बंगाली समुदाय द्वारा सिंदूर खेला की रस्म निभाई जाती है। बंगाली परंपरा के अनुसार ऐसा माना जाता है कि देवी दुर्गा अपने चार बच्चों के साथ दुर्गा पूजा उत्सव मनाने के लिए धरती पर आती हैं। त्योहार के अंतिम दिन उदासी का माहौल छा जाता है, जब देवी दुर्गा को विदा किया जाता है। ऐसा मानना है कि देवी दुर्गा के आंसू बहे थे, इसलिए सिंदूर अर्पित करने से पहले उनके गालों को पान के पत्तों से पोंछा जाता है। इसके बाद उनकी मांग में और पारंपरिक चूड़ियों पर सिंदूर अर्पित करते हैं। फिर महिलाएं सुखी जीवन और परिवार की खुशहाली के लिए दुर्गा मां के चरण स्पर्श कर आशीर्वाद लेती हैं। बाद में सभी महिलाएं एक-दूसरे को सिंदूर लगाकर मिठाई खिलाती हैं।

जयपुर में मनाई गई भैरोंसिंह शेखावत की जन्म शताब्दी

राज्यपाल कलराज मिश्र ने पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी, पीएम मोदी ने भी किया याद

जयपुर. कासं

पूर्व उप राष्ट्रपति और राजस्थान के तीन बार मुख्यमंत्री रहे भैरोंसिंह शेखावत की जयपुर में जन्म शताब्दी मनाई गई। सोमवार दोपहर 3.30 बजे विद्याधर नगर स्टेडियम में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। सभा में उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़, राज्यपाल कलराज मिश्र विद्याधर नगर स्थित समाधि स्थल पर पहुंचे। उन्होंने भैरोंसिंह शेखावत जी की समाधि पर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस कार्यक्रम में भारतीय जनता पार्टी के अन्य नेता भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी, केंद्रीय कृषि मंत्री कैलाश चौधरी, केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, विद्याधर नगर विधानसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी राजकुमारी दीया कुमारी, किशनपोल से भूतपूर्व विधायक मोहनलाल गुप्ता, हथौज धाम के बालमुकुंद आचार्य सभा में पहुंचे।

पीएम ने ट्वीट कर यादें साझा की

पीएम मोदी ट्वीट करते हुए लिखा- आज बहुत खास दिन है। आदरणीय राजनेता भैरोंसिंह शेखावत की 100वीं जयंती है। भारत उनके अनुकरणीय नेतृत्व और हमारे राष्ट्र की प्रकृति के प्रयासों के लिए हमेशा उनका आभारी रहेगा। ऐसे व्यक्ति थे। जिन्हें पूरे राजनीतिक क्षेत्र में और जीवन के सभी क्षेत्रों में लोगों द्वारा पसंद किया जाता था। राष्ट्र प्रगति के प्रयासों के लिए हमेशा उनका आभारी रहेगा। भैरोंसिंह जी एक दूरदर्शी नेता और प्रभावी प्रशासक थे।

उत्तम जैन स्वयं दिव्यांग, पत्रकारिता क्षेत्र में बने मिसाल

पत्रकारिता के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए उत्तम जैन हुए सम्मानित

जयपुर. शाबाश इंडिया

उम्मीद हेल्पलाइन फाउंडेशन के अध्यक्ष एवं दिव्यांग जगत पत्रिका के सम्पादक उत्तम जैन को समर्पण संस्था द्वारा जयपुर में पत्रकारिता के क्षेत्र में विशेष योगदान के लिए कुलदीप नैयर सम्मान से पुलिस महानिदेशक रवि प्रकाश मेहरड़ा क्राइम ब्रांच एवं संस्था के अध्यक्ष दौलत राम माल्या द्वारा सम्मानित किया गया। उत्तम जैन विगत कई वर्षों से दिव्यांगो की समस्याओं से सरकार को अवगत करवाते रहे हैं और उन समस्याओं के समाधान के लिए प्रयासरत रहते हैं। उत्तम जैन स्वयं एक पैर से दिव्यांग हैं। दिव्यांग होने के बावजूद भी समाजसेवा एवं पत्रकारिता के माध्यम से विगत 10 वर्षों से दिव्यांगो के क्षेत्र में कार्य कर रहे हैं। अब तक इनके द्वारा जयपुर में 6 सम्मान समारोह आयोजित किए जा चुके हैं जिसके माध्यम से 600 से अधिक प्रतिभाओं को सम्मानित होने का अवसर मिला हैं। विगत 4 वर्षों से दिव्यांग जगत पत्रिका के सम्पादक के रूप में कार्य कर रहे हैं और प्रदेश के लाखों दिव्यांगो की आवाज दिव्यांग जगत के माध्यम से सरकार तक पहुंचाने का प्रयास कर रहे हैं। उत्तम जैन के इन्ही कार्यों को देखते हुए राजस्थान सरकार द्वारा इन्हे 2016 एवं 2022 में राज्य स्तरीय प्रेरणा स्रोत पुरस्कार एवं सर्वश्रेष्ठ विशेष योग्यजन पुरस्कार से सम्मानित किया जा चुका हैं।

शीतलनाथ भगवान का मोक्ष कल्याणक महोत्सव मनाया

प्रकाश पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। बापू नगर स्थित श्री पदम प्रभु दिगंबर जैन मंदिर में अष्टमी के पावन दिवस पर श्रीशीतलनाथ भगवान का मोक्ष कल्याणक महोत्सव मनाया गया। प्रातः सभी प्रतिमाओं पर श्रावकों ने बारी-बारी से अभिषेक करने के उपरांत चांदमल जैन एवं चिरंजीलाल जैन ने बड़े बाबा मूलनायक पदम प्रभु भगवान पर, राकेश बघेरवाल ने आदिनाथ भगवान पर, लक्ष्मीकांत जैन ने मुनिसुव्रतनाथ भगवान पर शांतिधारा की। अन्य प्रतिमाओं पर भी श्रावकों द्वारा शांतिधारा की गई। इस अवसर पर चांदमल जैन एवं चिरंजी लाल जैन परिवार ने शीतलनाथ भगवान का मोक्ष निर्वाण लाडू चढ़ाने का सौभाग्य प्राप्त किया। सभी ने इसकी अनुमोदन की। महिलाओं ने बधाई गीत गाकर भक्तिनृत्य किया। इस उपरांत शीतलनाथ भगवान की पूजा-अर्चना कर अर्ध समर्पण किये।

ज्ञान से चिंतन मनन का भाव होता पैदा: गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी

गुंसी, निवाई. शाबाश इंडिया। प. पू. आर्यिका विज्ञाश्री माताजी के आशीर्वाद से नवनिर्मित श्री दिगम्बर जैन सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ , गुन्सी (राज.) क्षेत्र पर दस दिवसीय महार्चना एवं विश्वशांति महायज्ञ जाप्यानुष्ठान का लाभ यात्रीगण प्रतिदिन ले रहे हैं । रोग - शोक बाधा निवारक , मनोवांछित फलदायक श्री भक्तामर महार्चना कराने का सौभाग्य श्रावकश्रेष्ठी जिनेंद्र सेठी मिलाप नगर जयपुर , प्रमोद जैन दादूदयाल नगर जयपुर , अशोक जैन मालपुरा एवं सकल दिगम्बर जैन समाज हीरा पथ , जयपुर वालों ने प्राप्त किया । संगीतमय लहरों के साथ भक्तों ने भक्ति का आनन्द लिया । गुरु माँ के पाद - प्रक्षालन एवं शास्त्र भेंट का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। दशहरा (विजयादशमी) के अवसर पर श्री श्री जिनसहस्त्रनाम महार्चना का महाआयोजन होने जा रहा है। पूज्य माताजी ने सभी को संबोधन देते हुए कहा कि - सार्थक और सकारात्मक जीवन जीने के लिए ज्यादा परिश्रम की जरूरत नहीं है। अकसर लोग इसके लिए भटकते फिरते हैं, जबकि हर इंसान के पास दिमाग है जो पूरे शरीर को तो संचालित करता ही है और वही जीवन की यात्रा भी तय करता है। कोई विपरीत स्थितियों और परिस्थितियों के बावजूद अपने दिमाग का सही और सटीक प्रयोग करके ऊंची उपलब्धियां हासिल कर लेता है और कोई सारी सुविधाओं के बावजूद असफल रहता है। हर व्यक्ति को सबसे पहले सुनने की आदत डालनी चाहिए। जो व्यक्ति सुनता कम है और बोलता ज्यादा है, वह आगे बढ़ने के तमाम अवसरों से चूक जाता है। हमारे ऋषियों मुनियों ने शुभ और सुखद सुनने की कला बताई है। जब व्यक्ति विद्वानों, श्रेष्ठजनों और गुरुओं की बातें सुनता है तो शब्द रूपी ब्रह्म कानों से प्रवेश कर मस्तिष्क में रासायनिक परिवर्तन करते हैं। मस्तिष्क में अच्छी-अच्छी बातें आती हैं। वहीं खराब और बुरी बातें सुनने के बाद प्रायः झगड़े-फसाद हो जाते हैं। ज्ञान से चिंतन-मनन का भाव

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फैडरेशन राजस्थान रीजन, जयपुर के तत्वावधान में

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति एवं

आदिनाथ मित्र मंडल, जयपुर के द्वारा

निःशुल्क

चिकित्सा एवं नैत्र जांच शिविर

रविवार, 29 अक्टूबर 2023

समयः प्रातः 10 बजे से 2 बजे तक

स्थानः राजस्थान अस्पताल प्रांगण, जे.एल.एन. मार्ग, जयपुर

शिविर में निम्न रोगों के विशेषज्ञ डॉक्टरों की सेवाएं निःशुल्क उपलब्ध रहेंगी...

हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. कैलाश चन्द्रा

ई.एन.टी. विशेषज्ञ डॉ. पंकज सिंह

हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ. जितेश जैन

डायबिटीज विशेषज्ञ डॉ. प्रियाश्री कटेवा

स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. शिल्पा जेठवानी

नैत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. निकिता जैन

कैंसर रोग विशेषज्ञ डॉ. सरजीत सैनी

शिविर में उपलब्ध निःशुल्क जांचें

नोटः-1. जांच करवाने हेतु खाली पेट आना उचित रहेगा।
2. रोगी अपने इलाज संबंधित पूर्व रिपोर्ट व डॉक्टर की पर्ची साथ लेकर आवें।

बीएमडी | लिपिड प्रोफाइल | फाइब्रो स्कैन | शुगर | ई.सी.जी. | मैमोग्राफी | ओपथाल स्क्रीनिंग | पैप स्मीयर

मुख्य अतिथि
श्रीमान उत्तम जी पांड्या
मुनिभक्त, प्रमुख समाजसेवी

दीप प्रज्ज्वलनकर्ता
श्रीमान महेश जी काला
राष्ट्रीय मंत्री, भा. दि. जैन तीर्थक्षेत्र कमेटी

वेद ज्ञान

वास्तविक स्वर्ग

पूरी सृष्टि में ऐसा कुछ भी नहीं जो स्थाई हो। जड़-पदार्थों का अस्तित्व बनता-बिगड़ता रहता है। तब जीव भी कुछ काल तक अस्तित्व में रहकर समाप्त हो जाता है। जीवों में एकमात्र मनुष्य ही है, जो स्वर्ग-नर्क की धारणाओं से बंधा हुआ है। धर्मग्रंथों से लेकर सत्संगों तक में यह कहा जाता है कि अच्छे काम करने चाहिए ताकि स्वर्ग मिले, बुरे काम करने पर नर्क मिलता है। यहीं यह विषय बहस का मुद्दा बन जाता है कि किसने स्वर्ग-नर्क देखा है। इस धारणा के मानने वाले भी सिर्फ यही कहते हैं कि अनेक ग्रंथों में इसका उल्लेख है। मृत्यु के बाद क्या होता है, किसके साथ क्या होता है, यह आस्था पर ही निर्भर है, लेकिन यदि गहराई से मनन किया जाए तो स्वर्ग-नर्क धरती पर ही दिख जाएगा। स्वर्ग व नर्क को मृत्यु के दिन ही नहीं, बल्कि हर घड़ी इसे देखा जा सकता है। प्रथम दृष्टया स्वर्ग-नर्क को क्रमशः सकारात्मकता और नकारात्मकता की छाया प्रति मान कर चिंतन करना चाहिए। जब व्यक्ति सकारात्मक कार्य करता है, तब उसे प्रसन्नता होती है, बस यही स्वर्ग है। स्वर्ग का जीवन आनंददायी बताया गया है। जहां आनंद वहां परमानंद स्वरूप नारायण मौजूद हैं, जबकि नकारात्मक जीवन से भय, ग्लानि, चिंता मन में आती है। हर पल अज्ञात भय बेचैन किए रहता है। ऐसा इसलिए, क्योंकि नकारात्मक कार्य करने पर दुनिया भले न जाने व्यक्ति का मन तो किए गए नकारात्मक कार्य को जानता है। फिर उसका पर्दाफाश कहीं न हो जाए, इसको लेकर संशय और तनाव बना रहता है। नींद गायब हो जाती है। यदि भय, तनाव से भूख और नींद गायब हो जाए तो फिर जीवन का एक बड़ा सुख गायब हो जाता है। इस संबंध में अकबर-बीरबल की एक कथा समीचीन है कि जब अकबर ने बीरबल से पूछा कि कैसे जान लेते हो कि कोई मरता है तो वह स्वर्ग गया या नर्क गया। बीरबल ने कहा कि जब कोई मरता है और उसके इलाके में लोग मृतक के मरने से अंदर से दुखी दिखते हैं और बोलते हैं कि जब तक जीया लोगों की मदद की, तब जान लेते हैं कि वह स्वर्ग गया और जब मरने वाले की निंदा के साथ उसके कर्मों को कोसते हैं, तब मान लेता हूं कि नर्क गया। यह कहना कि मृत्यु के बाद स्वर्ग-नर्क का निर्धारण होगा, यह व्यक्ति को शिक्षा देने के लिए ग्रंथों में कहा गया है।

संपादकीय

साधारण नहीं गंगा की सफाई का मुद्दा

पवित्र नदी गंगा की सफाई का मुद्दा साधारण नहीं है। बढ़ती आबादी और बढ़ते शहरीकरण के कारण इस नदी को साफ और स्वच्छ रखना एक चुनौती है। कई पहल एवं कोशिशों के बाद समय-समय पर कुछ बदलाव भी देखने को मिले, परंतु गंगा को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सफाई एवं स्वच्छता का जो संकल्प लिया, उसके बाद कुछ हद तक सुधार जरूर आया है। उनके शासनकाल से पहले भी गंगा की सफाई और स्वच्छता के लिए अरबों-खरबों रुपये खर्च किए गए मगर मोदी के कार्यकाल ने इसमें बड़ा बदलाव लाया। स्वयं उन्होंने गंगा को अपनी मां कहा और काशी जैसे पवित्र स्थल से चुनाव लड़ा। निश्चित रूप से गंगा के प्रति उनकी कृतज्ञता, श्रद्धा भाव एवं सफाई को लेकर उनकी प्रतिबद्धता दिखलाई दी। गंगा नदी की सफाई को लेकर विभिन्न योजनाओं का ईमानदारी से क्रियान्वयन मोदी सरकार की प्राथमिकताओं में से एक है, और इस पर हद तक उनके संबंधित मंत्रालयों एवं विभिन्न संगठनों का

योगदान सराहनीय रहा है। सनद रहे कि गंगा की सफाई का अभियान 1979 में भारत सरकार द्वारा शुरू किया गया था। उसके बाद पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी द्वारा 1985 में गंगा एक्शन प्लान शुरू किया गया था, जिसका उद्देश्य गंगा के जल की गुणवत्ता को सुधारना था। केंद्र में अलग-अलग सरकारों ने भी इस प्रकार गंगा को प्रदूषण मुक्त एवं स्वच्छ बनाने का बीड़ा उठाया, लेकिन राजनीति या लालफीताशाही की वजह से उनका यह अभियान ज्यादा प्रभावी नहीं बन सका। जब मोदी सरकार ने ''नमामि गंगे'' नामक परियोजना बनाई तब जाकर गंभीरता से इस पर पहल हुई। परियोजना की कार्यकारी समिति ने गंगा बेसिन में साफ-सफाई और घाटों के विकास के लिए नौ करोड़ रुपये की परियोजनाओं को मंजूरी दी, जिसमें सात गंगा बेसिन और दो घाटों के विकास का लक्ष्य रखा गया। राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन की 47वीं बैठक में जल शक्ति मंत्रालय ने इन परियोजनाओं को पूरा करने के लिए 1278 करोड़ रु पये की मंजूरी दी। सभी परियोजनाओं पर तेजी से काम चल रहे हैं। ''नमामि गंगे'' कार्यक्रम एक एकीकृत संरक्षण मिशन है। जून, 2014 में इसे राष्ट्रीय नदी गंगा के प्रदूषण, संरक्षण और कायाकल्प के प्रभावी उन्मूलन के उद्देश्यों को पूरा करने के लिए 20 हजार करोड़ रुपये के बजट से शुरू किया गया था। इस मिशन के तहत उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल, दिल्ली, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा और राजस्थान राज्यों में अड़तालीस सीवेज प्रबंधन परियोजनाएं कार्यान्वित की जा रही हैं तथा 98 सीवेज परियोजनाएं पूरी की जा चुकी हैं। इन सब का उद्देश्य गंगा नदी का संरक्षण एवं कायाकल्प करना है। अब स्थिति यह है कि गंगा की मुख्य धारा विभिन्न प्रयासों की वजह से काफी हद तक साफ हो गई है। मगर नदी में गंदे पानी का बहाव रोकना बेहद जरूरी है। हालांकि कल-कारखानों के केमिकल या नालियों के बहाव को लेकर भी सरकार ने सजगता दिखाई है।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

महिला अधिकार

किसी महिला को क्या उसकी इच्छा के विरुद्ध गर्भावस्था जारी रखने के लिए सर्वोच्च न्यायालय या किसी विधि संस्था द्वारा बाध्य किया जाना चाहिए? यह एक अत्यंत जटिल और विवादास्पद मामला है। हर देश का अपना कानूनी परिदृश्य होता है और उसके भीतर यह फैसला सांस्कृतिक, धार्मिक व नैतिक मान्यताओं सहित विभिन्न कारकों से प्रभावित हो सकता है। गर्भपात पर चर्चा के केंद्र में नैतिकता अक्सर आड़े आ जाती है। दूसरी ओर, गर्भावस्था को जारी रखने या खत्म करने सहित, अपने शरीर के बारे में निर्णय लेने का अधिकार अक्सर एक मौलिक मानवाधिकार माना जाता है। प्रजनन अधिकारों के समर्थकों का तर्क है कि व्यक्तियों, खासकर महिलाओं को अपने प्रजनन स्वास्थ्य के बारे में विकल्प चुनने की स्वायत्तता होनी ही चाहिए। ऐसे में, सवाल यह हैकि वास्तव में एक महिला के शरीर को कौन नियंत्रित करता है? क्या वह खुद नियंत्रित करती है, उसका परिवार करता है या अदालतों में बैठे लोग करते हैं? इसका शानदार जवाब यह होना चाहिए कि महिलाएं अपने शरीर पर पूरी संप्रभुता रखती हैं। प्रसव के बाद के अवसाद से जूझने, दूसरे बच्चे के पालन-पोषण, शारीरिक व वित्तीय क्षमता का फैसला उसका अपना होना चाहिए। किसी महिला को अपनी गर्भावस्था समाप्त न करने की सलाह देना और बच्चे को किसी को गोद दे देने की सलाह देना बहुत आसान है। क्या हम दूर बैठकर किसी महिला के लिए इतने अहम फैसले ले सकते हैं? सोचकर देखिए, अगर उसके पहले से ही दो बच्चे हैं, जिनमें से एक को वह अभी भी स्तनपान करा रही है, और अब अप्रत्याशित तीसरा बच्चा भी आने वाला है। वह महज एक बच्चा पैदा करने वाली मशीन नहीं है। खासकर, जब वह प्रसवोत्तर अवसाद से पीड़ित होती है या यह मानती है कि वह बच्चे को पालने में असमर्थ है, तब उसका मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य बहुत महत्वपूर्ण बन जाता है। ऐसे में, उसे गर्भावस्था जारी रखने के लिए मजबूर करना उसके लिए जोखिम पैदा करने लगता है। ध्यान रहे, वह अपने सपनों और संघर्षों के साथ एक संपूर्ण इंसान है। सवाल यह होना चाहिए कि बच्चों की देखभाल में जिम्मेदारी का अधिक न्यायसंगत बंटवारा क्यों नहीं होता है, जिसमें न सिर्फ महिलाएं, बल्कि पुरुष भी शामिल हों, साथ ही व्यवस्था भी शामिल हो। सरकारें ऐसे मामलों में मानसिक स्वास्थ्य की देखभाल में अपनी भूमिका क्यों नहीं निभातीं? ये ऐसे सवाल हैं, जिनका हमें जवाब चाहिए। आखिर क्यों गर्भपात की वैधता और जिन हालात में इसकी मंजूरी दी जाती है, उसकी समीक्षा स्त्री के मानवाधिकार के नजरिये से नहीं की जाती है? यहां एक बुनियादी सवाल खड़ा होता है कि क्या एक महिला को अपने शरीर और प्रसव के बारे में निर्णय लेने का अधिकार है? क्या हमारी कानून-व्यवस्था ऐसे मामलों में त्वरित निर्णय लेने में सक्षम है? जी, यहां समय बहुत महत्वपूर्ण है। अफसोस की बात है कि ऐसी सोच या ऐसे सवाल अक्सर फैसलों से नदारद रहते हैं। सर्वोच्च न्यायालय के ताजा फैसले में महिलाओं के लिए क्या संदेश निहित है, जिसमें गर्भपात से इसलिए इनकार किया गया है, क्योंकि गर्भावस्था 26 सप्ताह की है और कानूनी रूप से सिर्फ 24 सप्ताह तक गर्भपात कराया जा सकता है? शीर्ष अदालत का फैसला भारत की महिलाओं को यह स्पष्ट संदेश देता है- आपके प्रजनन अधिकारों की सीमाएं हैं।

महासमिति द्वारा अभिनंदन समारोह आयोजित

दशलक्षण पर्व पर हुए सांस्कृतिक धार्मिक कार्यक्रम एवं झांकियों के साथ गीष्मकालीन धार्मिक शिक्षण शिविर के शिक्षकों का हुआ सम्मान

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगंबर जैन महासमिति राजस्थान अंचल द्वारा 108 महाराज श्री जिनानन्द जी, सर्वा नन्द जी एवं पूर्वा नन्द जी महाराज के सानिध्य में दशलक्षण पर्व पर हुए सांस्कृतिक धार्मिक, सामाजिक एवं झांकियों के साथ गीष्मकालीन धार्मिक शिक्षण शिविर में जिन शिक्षकों ने निस्वार्थ सेवायें प्रदान की उनका सम्मान समारोह आदिनाथ भवन, मीरा मार्ग, मानसरोवर में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर अध्यक्ष अनिल जैन आईपीएस रिटायर्ड ने बताया कि राष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक बड़जात्या इन्दौर से इस सम्मान समारोह में विशेष रूप से उपस्थित रहे। महामंत्री महावीर जैन बाकलीवाल ने बताया कि इस अवसर पर

राष्ट्रीय महामंत्री सुरेन्द्र कुमार जैन, मृदुला जैन ने दीप प्रज्वलित किया, चित्र अनावरण पदम, विजय जैन वैद, पुरस्कार वितरण अशोक विजय लक्ष्मी जैन बड़जात्या, एवं सुरेश शशि सोगानी ने किया, शास्त्र भेट शशि भागचंद साह एवं कैलाश मलैया ने किया। महाराज श्री का पाद प्रक्षालन अशोक बड़जात्या, राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं कमेटी के सदस्यों ने किया। इस अवसर कार्यक्रम संयोजक डा णमोकार जैन ने बताया कि इस कार्यक्रम में दौसा संभाग, मालपुरा,देवली,निवाई,टोंक के अलावा जयपुर से स्थित 47 मंदिरों में सांस्कृतिक धार्मिक सामाजिक एवं झांकियों को श्रेष्ठता के आधार पर सम्मानित किया गया। ग्रीष्मकालीन धार्मिक शिक्षण शिविर के मुख्य संयोजक डा बी सी जैन ने बताया कि इस अवसर पर निस्वार्थ सेवायें देने वाले 60 शिक्षकों का सम्मान किया गया। इस अवसर पर महामंत्री महावीर जैन बाकलीवाल ने बताया कि अभी नवम्बर 25 को होने वाले सांगानेर विधानसभा के भाजपा प्रत्याशी भजन लाल शर्मा, कांग्रेस के प्रत्याशी पुष्पेन्द्र भारद्वाज का भावभीना स्वागत किया गया। उन्होंने जैन समाज आभार व्यक्त किया एवं कहा जो भी समाज की समस्या होगी उनको तुरंत दूर करने का प्रयास किया जायेगा। इस अवसर पर 108 महाराज श्री जिनानन्द जी महाराज का आशीर्वाद दिया कि यह राष्ट्रीय महासमिति सद्भावना संगठन एवं समन्वय के रूप में जो काम कर रही है एवं समाज मंदिरों की हितार्थ जो भी कार्य कर रही है है बहुत अच्छा है। मेरी ओर सभी को आशीर्वाद। इस अवसर पर महिला प्रकोष्ठ मंत्री श्रीमती शकुंतला जैन के नेतृत्व में बहुत ही खूबसूरत ढंग से सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। अध्यक्ष अनिल जैन ने बताया कि इस अवसर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक बड़जात्या ने यहां महिला अंचल की घोषणा की इसके लिए श्रीमती शकुंतला जैन बिन्दायका के अध्यक्ष एवं महामंत्री के रुप में श्रीमती सुनीता गंगवाल को मनोनीत किया। साथ ही कार्य कारिणी समिति को राष्ट्रीय महामंत्री सुरेंद्र कुमार पांड्या ने शपथ ग्रहण करवाई गई। राष्ट्रीय महामंत्री सुरेन्द्र जैन पांड्या ने बताया कि श्रमण संस्कृति बोर्ड के राजस्थान सरकार द्वारा सुंधाशु कासलीवाल को समाज गौरव की उपाधि से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती सुनीता गंगवाल ने बहुत ही शानदार तरीके से किया।

अनमोल धरोहर का खजाना है नवागढ़ की पुरा सम्पदा

पहाड़ियों से मिल चुके हैं हजारों वर्ष पुराने औजार, नवागढ़ तीर्थ क्षेत्र का इतिहास काफी पुराना। विलक्षण कलाकृतियां एवं भारतीय कला संपदा का अक्षय भंडार है नवागढ़

ललितपुर. शाबाश इंडिया

प्रागैतिहासिक अतिशय क्षेत्र नवागढ़ विकासखंड महरौनी में प्रतिष्ठा पितामह पंडित गुलाबचन्द पुष्प जन्म शताब्दी महोत्सव वर्ष के अन्तर्गत त्रिदिवसीय राष्ट्रीय विद्वत्संगोष्ठी का समापन ब्र. जय निशांत भैया जी के निर्देशन में किया गया। सर्वप्रथम चित्र अनावरण व दीप प्रज्ज्वलन अतिथि व विद्वानों ने किया। संगोष्ठी के समापन सत्र की अध्यक्षता करते हुए ब्र. जयकुमार जी निशांत भैया ने कहा कि नवागढ़ प्राचीन तीर्थक्षेत्र है । यहां का इतिहास काफी पुराना है। यहां खुदाई कहीं भी हो बड़ी ही सावधानी से की जाती है क्योंकि यहां पर कई अति प्राचीन मूर्तियां एवं पुरातात्विक साक्ष्य, औजार मिलते हैं। तत्कालीन डीएम मानवेन्द्र सिंह ने नवागढ़ विरासत को स्वयं जाकर अवलोकन किया था और नवागढ़ की ओर ध्यान देते हुए प्रशासन स्तर से सहयोग भी किया था। विशिष्ट अतिथि नरेश पाठक ग्वालियर ने कहा कि नवागढ़ में जैन तीर्थंकर का शिर एवं आदिनाथ भगवान की शिर विहीन पद्मासन प्रतिमा, पाषाण कलश, खंडित अभिलेख, कलाकृतियां एवं मृदभांड प्राप्त हुए हैं, जो नवागढ़ की प्राचीनता, संपन्नता, समृद्धि एवं संस्कृति को सिद्ध करते हैं। इस मौके पर पंडित मनीष जैन संजू ने कहा कि प्रतिष्ठा पितामह पंडित गुलाबचंद पुष्प बेमिसाल , बहुमुखी विराट व्यक्तित्व के धनी थे। पंडित सोमचंद्र शास्त्री मैनवार ने तीर्थ का स्वरूप विषय पर आलेख प्रस्तुत करते हुए कहा कि संसार-समुद्र से जो पार करे उसे तीर्थ कहते हैं। तीर्थ हमारी संस्कृति, सभ्यता की अनमोल धरोहर और हमारी आस्था के केंद्र बिंदु हैं। वीरचन्द्र जैन नेकौरा ने नवागढ़ की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि को रखा, पंडित इंद्रकुमार जैन ने पंडित गुलाब चंद पुष्प के अवदान पर प्रकाश डाला। संगोष्ठी संयोजक डॉ सुनील संचय ललितपुर ने आभार व्यक्त किया। वक्ताओं ने कहा कि नवागढ़ क्षेत्र भारतीय संस्कृति की अनमोल धरोहर है ।हमारी भावना है ऐसे अनमोल प्राचीन क्षेत्र की धार्मिक एवं सांस्कृतिक धरोहर का संरक्षण होता रहे, जिससे भविष्य में हमारी पीढ़ियां अपने इतिहास को जान सकें एवं गर्व कर सकें। समागत विद्वानों का स्वागत, अभिनन्दन नवागढ़ कमेटी के अध्यक्ष एडवोकेट सनत जैन ललितपुर, महामंत्री वीरचन्द्र जैन नेकौरा, इंजी. शिखरचंद जैन, अविनाश जैन बेंगलुरु, डॉ आलोक जैन रांची, चक्रेश जैन, प्रोफेसर राकेश घुवारा, इंजी अभिषेक जैन इंदौर , एडवोकेट संदीप जैन, शरद जैन ग्वालियर, धीरेंद्र सिंघई बड़ागांव , राजीव चंद्रपुरा सहित तीर्थक्षेत्र कमेटी नवागढ़ एवं नवागढ़ गुरुकुलम के पदाधिकारियों ने किया। इस मौके पर सैकड़ों की संख्या में लोग मौजूद रहे। इस मौके पर डॉ फूलचंद्र जैन ने नवागढ़ गुरुकुलम के छात्रों के जीवन उपयोगी सूत्र प्रदान किए वहीं एकता जैन इंदौर ने गुरुकुलम के बच्चों को कम्प्यूटर संबंधी जानकारी प्रदान की।

सिद्धार्चना में किए 256 अर्घ्य समर्पित, कर्म दहन विधान हुआ:

प्रागैतिहासिक अतिशय क्षेत्र नवागढ़ विकासखंड महरौनी में प्रतिष्ठा पितामह पंडित गुलाबचन्द पुष्प जन्म शताब्दी महोत्सव वर्ष के अन्तर्गत चल रही अष्ट दिवसीय सिद्धार्चना में सोमवार को 256 अर्घ्य भक्ति- श्रद्धा के साथ विधान के पात्रों एवं श्रद्धालुओं ने समर्पित किए। इस मौके पर कर्म दहन विधान का आयोजन भी किया गया। कर्म प्रकृतियों को समझाते हुए ब्र. जय निशांत भैया ने कहा कि अशुभ कर्म से अशुभ कर्म प्रकृति का बंध होता है और शुभ कर्म से शुभ कर्म प्रकृति का बंध होता है। इसलिए सम्यक पुरुषार्थ करते हुए अच्छे, शुभ कार्यों को करें तभी मानव कल्याण सम्भव है।

स्याद्वाद युवा क्लब की सातवीं वार्षिक यात्रा सआनंद सम्पन्न- यात्रियों ने कहा तीर्थ यात्रा से बढ़ता है ज्ञान

अजय जैन. शाबाश इंडिया

अंबाह। सामाजिक एवं धार्मिक क्षेत्र में अग्रणी स्याद्वाद युवा क्लब की वार्षिक यात्रा जोधपुर (राजस्थान) के लिए ट्रेन द्वारा 19 अक्टूबर से 23 अक्टूबर 2023 तक अत्यंत हर्ष उल्लास के साथ संपन्न हुई। सराय रोहिल्ला रेलवे स्टेशन-दिल्ली पर सुदीप जैन-रश्मि जैन (गुड़गांव) के द्वारा सभी यात्रियों के भव्य स्वागत के साथ यात्रा प्रारंभ हुई। इस दौरान श्रीमती रश्मि सुदीप जैन ने कहा कि तीर्थ यात्रा हमारी पुरानी परंपरा है तीर्थ यात्रा करने से हमें धर्म लाभ मिलने के साथ-साथ अपनी प्राचीन संस्कृति को जानने का मौका भी मिलता है मंदिर में जाने से उस इलाके की प्राचीन संस्कृति और वहां के निवासियों से मिलने का मौका भी मिलता है भगवान और भक्ति से जुड़ी मान्यताओं की जानकारी भी मिलती है रश्मि सुदीप जैन ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन में पूजन अभिषेक और तीर्थ यात्रा अवश्य करनी चाहिए उन्होंने कहा कि आमतौर पर प्राचीन तीर्थ और मंदिर ऐसी जगह पर बनाए गए हैं जहां का वातावरण आस्था के साथ-साथ हमारे स्वास्थ्य के लिए भी लाभदायक होता है इसके साथ ही हमे यहां जाकर आगम का ज्ञान भी मिलता है देवी देवताओं से जुड़ी कथाएं एवं परम्पराये भी मालूम पड़ती है साथ ही प्राचीन संस्कृति को जानने का मौका मिलता है राष्ट्रीय अध्यक्ष शैलेश जैन ने कहा कि हर व्यक्ति को समय-समय तीर्थ यात्रा करनी चाहिए यात्रा करने से हमे धर्म लाभ मिलने के साथ-साथ हमारे दैनिक जीवन में चल रही परेशानियां भी कम होती है यात्रा के दौरान जोधपुर स्टेशन पर ढोल-नगाड़ों के साथ क्लब का अभिनंदन हुआ। सभी के ठहरने की उत्कृष्ट व्यवस्था जोधपुर के लग्जरी ''मरूगढ़ रिजॉर्ट एवं स्पा'' में की गई थी। 22 अक्टूबर, रविवार को जोधपुर के ''श्री दिगंबर जैन मंदिर, सकैर भवन, जसवंत सराय'' में साप्ताहिक 513वां अभिषेक-पूजन अत्यंत भक्तिभाव के साथ किया गया। यात्रा में नाकोड़ा जैन मंदिर, ओसियां डिजर्ट एंड पार्क, मंदौर गार्डन, उम्मेद भवन पैलेस आदि दर्शनीय स्थलों के साथ जीप सफारी, कैमल राइड एवं लोकल साइट सीन्स का आनन्द अद्भुत था।

एसवी पब्लिक स्कूल के वार्षिकोत्सव में सजी भारतीय संस्कृति की मनोरम झांकी

सम्मानित हुई प्रतिभाएं

जयपुर. शाबाश इंडिया। आदर्श नगर स्थित एसबी पब्लिक स्कूल का वार्षिकोत्सव- 2023 आज विद्यालय परिसर में धूमधाम से मनाया गया। इस मौके पर करीब 400 बच्चों ने एक से बढ़कर एक प्रस्तुतियां देकर अपनी प्रतिभा के जौहर दिखाए। इस मौके पर स्कूल के प्रतिभावान विद्यार्थियों को भी अतिथियों ने सम्मानित किया। इस मौके पर विद्यालय की वार्षिक पत्रिका ''माइलस्टोन'' का भी विमोचन किया। इसके बाद शुरू हुए सांस्कृतिक कार्यक्रम, जिसका शुभारंभ ओ पालन हारे...प्रार्थना से हुआ। इस मौके पर विद्यार्थियों ने शिव तांडव से प्रकृति के सार के बारे में बताया। इसके बाद विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों का गुलदस्ता खिलाते हुए गुजराती में डांडिया,पजाबी में भांगड़ा,मराठी के लावणी,राजस्थानी व सिंधी डांस की प्रस्तुति देते हुए विभिन्न राज्यों की सांस्कृतिक प्रस्तुतियों देते हुए भारतीय कला संस्कृति की झांकी सजाई,वहीं शास्त्रीय व पाष्चात्य नृत्यों ने कार्यक्रमों को रोचकता प्रदान की। इस मौके पर कार्यक्रम की मुख्य अतिथि रही राजस्थान यूनिवर्सिटी की वाइस चांसलर प्रो.अल्पना कटेजा ने संबोधित करते हुए कहा कि विद्यार्थियों को समय का सदुपयोग करते हुए सांस्कृतिक कार्यक्रमों में बढ़-चढ़कर भाग लेकर अपनी कला को निखारना चाहिए। आज जो विद्यार्थियों को जो मंच मिला है,वह जीवन में हर व्यक्ति को अपनी कला निखारना का मौका देता है,जिसका हर विद्यार्थी का लाभ उठाना चाहिए। सचिव डॉ कमलेश खिलनानी ने अतिथियों का स्वागत किया। संस्था के अध्यक्ष कमल वासवानी ने भी अपने ज्ञानवर्धक शब्दों से विद्यार्थियों को प्रोत्साहित किया।

सोनागिर में बनेगा सिंहरथ मंदिर एवम गुरु उपासना केंद्र

आर्यिकाश्री स्वस्तिभूषण माताजी कराएंगी 29 अक्टूबर को शिलान्यास

मनोज नायक. शाबाश इंडिया

सोनागिर, ग्वालियर। जैन समाज के उपासना स्थल श्री सिद्धक्षेत्र सोनागिर जी में सिंहरथ मंदिर एवम गुरु उपासना केंद्र का भव्य शिलान्यास समारोह 29 अक्टूबर को होने जा रहा है। मध्यप्रदेश के मुरेना जिला अंतर्गत अम्बाह तहसील के ग्राम बरबाई में जन्में जैन संत आचार्य श्री विद्याभूषण सन्मति सागर जी महाराज ने 28 मार्च 1994 को अपने गुरू मासोपवासी पूज्य आचार्य श्री सुमतिसागर जी महाराज के पावन सान्निध्य में सिंहरथ चलवाया था । अभी तक गजरथ, अश्वरथ, नंदीरथ तो सभी ने चलते हुये देखे थे लेकिन आचार्य श्री सन्मतीसागर जी ने विश्व के इतिहास में प्रथमवार सिंहरथ चलवाकर एक कीर्तिमान स्थापित किया था। इस वर्ष पूज्य आचार्य विद्याभूषण सन्मति सागर जी महाराज की 75वीं जयंती हर्षोल्लास पूर्वक विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों के साथ मनाई जा रही है। इस पावन अवसर पर सिंहरथ प्रवर्तन की स्मृतियों को चिरस्मरणीय बनाए रखने के लिए अखिल भारतीय श्री स्याद्वाद परिषद ने श्री सिद्धक्षेत्र सोनागिर जी में जिस स्थान पर सिंहरथ चला था उसी स्थान पर सिंहरथ मंदिर एवम गुरु उपासना केंद्र के निर्माण कराने का निर्णय लिया है। आचार्य श्री की परम प्रभावक शिष्या गणिनी आर्यिका श्री स्वस्तिभूषण माताजी के पावन सान्निध्य एवम निर्देशन में श्री सोनागिर जी में 29 अक्टूबर को उक्त मंदिर का भव्य शिलान्यास समारोह का आयोजन किया गया है । इस पुनीत अवसर पर समारोह में जैनाचार्य श्री पुण्यसागर, मुनिश्री आदर्शसागर, मुनिश्री सोमदत्त सागर, गणिनी आर्यिका लक्ष्मीभूषण, गणिनी आर्यिका स्वस्तिभूषण, क्षुल्लक परिणामसागर, पूजाभूषण, भक्तिभूषण, सर्वेंद्रमती माताजी सहित अनेकों साधुसंत विराजमान रहेंगे । समारोह में समस्त क्रियाएं प्रतिष्ठाचार्य वाणीभूषण जयकुमार निशांत टीकामगढ, अशोक शास्त्री प्रक्रताचार्य सोनागिर, नवीन भैयाजी बड़ागांव संपन्न कराएंगे। सिंहरथ मंदिर की आधारशिला राजेंद्रप्रसाद महेंद्रकुमार जैन दिल्ली रखेंगे। सिंहरथ पुण्यार्जक वालेश जैन, निशा, पीयूष, आशीष, मनीष जैन हरिद्वार, मानस्तंभ पुण्यार्जक दिनेश, विवेक, योगेश जैन ग्वालियर होगें । इसके साथ ही गुरुभक्तों द्वारा हीरक, रत्न, स्वर्ण, रजत एवम सामान्य शिलाएं स्थापित की जाएंगी । शिलान्यास समारोह के दौरान 29 अक्टूबर को प्रातः प्रातः 07 बजे अभिषेक एवम शांतिधारा (स्याद्वाद युवा क्लब द्वारा), प्रातः 09 बजे ध्वजारोहण, चित्र अनावरण, मंगलाचरण, 09.45 बजे गुरु चरणों में विनयांजली, साधु संतों के प्रवचन, 11 बजे सिंहरथ मंदिर एवम गुरु उपासना केंद्र की आधार शिला रखी जायेगी। इस अवसर पर श्री अखिल भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष गजराज गंगवाल, सोनागिर कमेटी के अध्यक्ष योगेश जैन खतोली, मंत्री बालचंद जैन ग्वालियर, अक्षय अलैया ललितपुर, कमल हाथीशाह भोपाल, नेमीचंद मंगलगिरी सागर, जिनेश जैन अंबाह, सुरेशचंद दिल्ली, स्यादवाद युवा क्लब, त्रिलोकतीर्थ धाम बड़ागांव कमेटी, स्वतिधाम जहाजपुर कमेटी सहित सम्पूर्ण भारतवर्ष से हजारों की संख्या में गुरुभक्त मौजूद रहेंगे ।

श्रवण संस्कृति बोर्ड के अध्यक्ष सुधांशु कासलीवाल का महासमिति द्वारा अभिनंदन

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगंबर जैन महा समिति के द्वारा आयोजित भव्य पुरस्कार वितरण समारोह में श्रवण संस्कृत बोर्ड के अध्यक्ष सुधांशु कासलीवाल का साफा माला एवं शॉल मोमेंटो देकर अभिनंदन किया गया अभिनंदन करने वालों में दिगंबर जैन महा समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक जैन इंदौर महामंत्री सुरेंद्र कुमार पांडे प्रदेश अध्यक्ष अनिल जैन रिटायर्ड आईपीएस कोषाध्यक्ष महावीर बाकलीवाल राष्ट्रीय उपाध्यक्ष प्रकाश जैन सहित कई गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे सभा को सुधांशु कासलीवाल ने संबोधित करते हुए समाज की एकता एवं मजबूत संगठन पर जोर देते हुए संस्कृति की रक्षा करने का आह्वान किया।

ज्ञानतीर्थ पर हुआ वार्षिक मेला एवम महामस्तकाभिषेक

निकाली गई श्री जिनेन्द्र प्रभु की शोभायात्रा

मनोज नायक. शाबाश इंडिया

मुरेना। ए. बी.रोड, धौलपुर आगरा हाइवे पर स्थित ज्ञानतीर्थ क्षेत्र जैन मंदिर में वार्षिक मेले के पावन अवसर पर मूलनायक भगवान आदिनाथ का महामस्तकाभिषेक किया गया। वार्षिक कलशाभिषेक महोत्सव के संयोजक निर्मल भंडारी द्वारा प्रदत्त जानकारी के अनुसार सराकोद्धारक आचार्य श्री ज्ञानसागर महाराज के आशीर्वाद से सप्तम पट्टाचार्य श्री ज्ञेयसागर महाराज ससंघ के पावन सान्निध्य में चित्र अनावरण एवम दीप प्रज्वलन शांतिलाल जैन मुरेना, राजकुमार जैन गुड्डू, वरुण जैन, राजीव जैन दिल्ली, अजीत जैन चांदी आगरा, प्रेमचंद जैन मुरेना, मनोज नायक, महावीर जैन, रोमिल जैन अंबाह, प्रवीण जैन राजकोट, निर्मल जैन भंडारी सहित अन्य सभी गणमान्य साधर्मी बंधुओं द्वारा किया गया। पूज्य गुरुदेव आचार्य श्री ज्ञानसागर महाराज के चरणों एवम पूज्य आचार्य श्री ज्ञेयसागर महाराज का पाद प्रक्षालन ज्ञान जागृति मंच दिल्ली ने किया । भगवान श्री आदिनाथ का प्रथम कलशाभिषेक एवम शांतिधारा करने का सौभाग्य बकीलचंद, पंकज जैन, राजीव जैन खैकड़ा दिल्ली को प्राप्त हुआ । तत्पश्चात सर्वश्री अजीत जैन चांदी वाले आगरा, राजकुमार गुड्डू शालीमार आगरा, ओमप्रकाश जैन मेरठ, विनोद जैन खड़ियाहार मुरेना ने भगवान के कालशाभिषेक किए। प्रतिष्ठाचार्य पं. संजय शास्त्री (सिहोनियां वाले) ने सभी धार्मिक क्रियाओं को विधि विधान से संपन्न कराया। समारोह के प्रारंभ में सर्वोदय पाठशाला के नन्हें मुन्ने बच्चों द्वारा भक्ति पूर्ण नृत्य से मंगलाचरण किया गया। श्री जिनेन्द्र प्रभु की प्रतिमा को नालकी में विराजमान कर, भव्य शोभायात्रा के रूप में बैंड बाजों के साथ कार्यक्रम स्थल में ले जाया गया। पांडुक शिला पर श्री जी के विराजमान होते ही पूरा पांडाल प्रभु की जय जयकारों से गूंज उठा। आचार्य श्री ज्ञेयसागर महाराज ने अपने उद्बोधन में सभी को आशीर्वाद प्रदान किया। सरिता दीदी ने अपने उद्बोधन में क्षमावाणी के महत्व पर प्रकाश डाला। समारोह के मध्य बसपा के राकेश रुस्तम सिंह एवम कांग्रेस के दिनेश गुर्जर अपने साथियों के साथ ज्ञानतीर्थ पहुंचे। सभी ने मंचासीन पूज्य आचार्य श्री ज्ञेयसागर महाराज एवम अन्य सभी साधु संतों से आशीर्वाद प्राप्त किया। ज्ञानतीर्थ परिवार की ओर से विजय जैन मंत्री, पदमचंद जैन गैंदा, जिनेश जैन कालू, प्रेमचंद जैन बंदना साड़ी ने दोनों जन प्रतिनिधियों का सम्मान किया गया। वार्षिक मेले के अवसर पर ज्ञानतीर्थ प्रांगण में बच्चों के झूले, सॉफ्टी एवम चाट पकोड़ी की दुकानें सजी हुई थी। दिल्ली, आगरा, अंबाह, ग्वालियर, धौलपुर, बानमोर, जोरा सहित अनेकों स्थान से सैकड़ों की संख्या में साधर्मी बंधु उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन अनीता दीदी एवम संजय शास्त्री ने किया।

नैनागिरि के देशना स्थली पर पीतल की विशाल मनोज्ञ मूर्तियां हुई विराजित

रत्नेश जैन बकस्वाहा. शाबाश इंडिया

बकस्वाहा। तहसील अंतर्गत देश के सुविख्यात श्री दिगंबर जैन सिद्धक्षेत्र (रेशंदीगिरि) नैनागिरि जिला छतरपुर बुन्देलखण्ड मप्र में निमार्णाधीन पारसनाथ देशना स्थली के विशाल भू-भाग पर भगवान शीतलनाथ जी के मोक्ष कल्याणक दिवस व महाअष्टमी पर्व एवं सर्वार्थ सिद्धि के पवित्र शुभ योग में पीतल सहित अनेक धातुओं की विशाल भव्य मनोज्ञ 23वें तीर्थंकर भगवान पारसनाथ तथा 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी की मूर्ति स्थापित/ विराजमान की गई । यहां स्मरण रहे कि 22वें तीर्थंकर भगवान नेमीनाथ की तीसरी मूर्ति का निर्माण भी जयपुर में पूर्ण हो चुका है, जिसे भी अतिशीघ्र ही यहां विराजमान किया जाएगा। तीनों विशाल पीतल की पद्मासन मूर्ति 60-60 इंच से अधिक तथा पांच-पांच टन से अधिक बजनी मूर्तियां देश की अद्वितीय जिनबिम्ब है। इस कार्य में महत्वपूर्ण योगदान करने वाले ट्रस्ट कमेटी के उपाध्यक्ष संतोष कुमार वेटरी बाले, मंत्री राजेश जैन रागीह (वरिष्ठ पत्रकार), कोषाध्यक्ष इंजी.अशोक जैन,उप मंत्री पं.अशोक जैन, प्रबंध कार्यकारिणी मंत्री देवेन्द्र लुहारी, संयुक्त मंत्री मोतीलाल सांधेलिया व वीरेन्द्र सिंघई,उप मंत्री सुरेश गूगरा, सुकमाल गोल्डी के साथ ही अनेक पदाधिकारी व सदस्य, मूर्ति पुण्यार्जक जयकुमार राजश्री पात्र व शाह सुखानंद, इस भव्य विशाल मंदिर निर्माण एजेंसी के इंजी. प्राशुक सांधेलिया व इंजी. सजल सराफ सहित जैन युवा मंच बकस्वाहा व बम्होरी के सैकड़ों युवकों को जैन तीर्थ नैनागिरि के परम संरक्षक माननीय जयंत मलैया मप्र शासन के पूर्व मंत्री तथा नैनागिरि ट्रस्ट कमेटी के अध्यक्ष सुरेश जैन आईएएस ने इस महत्वपूर्ण कार्य संपन्न होने के लिए बहुत-बहुत बधाई और शुभकामनाएं प्रेषित की हैं।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

256 मण्डलीय सिद्धचक्र महामंडल विधान

मंगलवार को विश्वशांति महायज्ञ एवं शोभायात्रा के साथ होगा दस दिवसीय आयोजन का समापन

सोमवार को श्रद्धालुओं ने चढ़ाए 1024 अष्ट द्रव्य के अर्घ्य। बुधवार को करेंगे नसियां से मंगल विहार

जयपुर. शाबाश इंडिया

आचार्य सौरभ सागर महाराज के सानिध्य और पं. संदीप जैन सजल के निर्देशन में नारायण सिंह सर्किल स्थित भट्टारक जी की नसियां में चल रहे दस दिवसीय सिद्धचक्र महामंडल विधान पूजा का मंगलवार को विश्व शांति महायज्ञ एवं शोभायात्रा के साथ समापन होगा। इससे पूर्व नवें दिन विधान में 1024 अर्घ्य चढ़ाये गये। प्रचार संयोजक विनोद जैन कोटखावदा एवं अभिषेक जैन बिट्टू ने बताया कि सोमवार को जिनेंद्र भगवान का स्वर्ण एवं रजत कलशों से कलशाभिषेक के बाद शांतिधारा की गई। नित्य नियम पूजन कर विधान पूजन आरंभ किया गया। भगवान की शांतिधारा करने का सौभाग्य अशोक जैन जयपुर और रजनीश जैन मेरठ ने प्राप्त किया। अध्यक्ष आलोक जैन ने बताया कि सोमवार को श्रद्धालुओं ने भजन, भक्ति के साथ जिनेन्द्र प्रभु की आराधना करते हुए 1024 अष्ट द्रव्य के अर्घ्य मण्डल पूजन में चढ़ा प्रभु से विश्व में शांति की मंगल भावना की। पूजन के दौरान प्रातः 8.30 बजे धर्म सभा में आचार्य श्री ने उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित किया और आशीर्वचन दिए। धर्म सभा में तारा चन्द पाटनी, हेमंत सोगानी, चिन्ता मणि बज, अशोक जैन नेता, विनोद जैन कोटखावदा, मनीष बैद, सुरेन्द्र मोदी, मनोज झांझरी, रमेश बोहरा सहित बडी संख्या में गणमान्य श्रेष्ठीजन उपस्थित थे।

एक सिद्धचक्र विधान की आराधना मात्र से 700 कोढ़ीयों का दुख दूर हो सकता तो सोचो क्या नही हो सकता है, बस केवल आस्था होनी चाहिए: आचार्य सौरभ सागर

सोमवार को आचार्य सौरभ सागर महाराज ने कहा कि ''फूलों से ज्यादा आचरण की खुशबू की महत्ता होती है, जैन कुल में जन्म लेने पर देव, शास्त्र, गुरु का समागम मिलता, यदि व्यक्ति जैनत्व के आचरण के विपरीत कार्य करता है तो वह सिर्फ जन्म है, ना जैन है, ना कर्मना है।'' आचार्य सौरभ सागर ने पूजन के मध्य विधान की महिमा का वर्णन करते हुए कहा कि ₹ इस विधान की महिमा अपरंपार है, जिस किसी ने भी आस्था और विश्वास के साथ सिद्धचक्र विधान पूजन किया है उसके प्रत्येक दुख का हरण हुआ है। मैना सुंदरी ने जब इस विधान पूजन को किया था तब अपने पति सहित 700 कोढ़ीयों के तन पर यंत्र अभिषेक का गंदोधक क्षेपन किया तो उनका कोढ दूर हो गया था, जबकि उस समयकाल के दौरान इतने संसाधन नहीं हुआ करते थे जितने संसाधन आज उपलब्ध हैं। अगर उस समय आज के जितने संसाधन होते तो आज इसकी महिमा का वर्णन करने की आवश्यकता नहीं होती। अब साधु और श्रावक मिलकर इस विधान को ओर प्रभावशाली बनायेगे। दोपहर में आचार्य श्री के सानिध्य में श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन धर्म संरक्षिणी महासभा के तत्वावधान में संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस मौके पर रमेश तिजारिया, सुनील बख्शी, प्रदीप जैन, विनोद जैन कोटखावदा,पदम बिलाला, मनीष बैद,आलोक जैन तिजारिया, भाग चन्द मित्रपुरा सहित बडी संख्या में जैन बन्धु शामिल हुए। मंच संचालन कमल बाबू जैन एवं राजेन्द्र बिलाला ने किया। सायंकाल गौरवाध्यक्ष राजीव जैन गाजियाबाद, अध्यक्ष आलोक जैन, मुख्य समन्वयक चेतन जैन निमोडिया, मंत्री मनीष बैद के नेतृत्व में संगीतमय महाआरती की गई। तत्पश्चात आनन्द यात्रा का आयोजन किया गया। प्रचार संयोजक विनोद जैन कोटखावदा एवं अभिषेक जैन बिट्टू के मुताबिक मंगलवार को प्रातः अभिषेक, शांतिधारा के बाद विश्व शांति महायज्ञ होगा जिसमें मंत्रोच्चार के साथ पूणार्हुति दी जाएगी। इस मौके पर आचार्य श्री के मंगल प्रवचन होगें। सभी इन्द्र - इन्द्रणियो एवं अतिथियों तथा विधान के आयोजन में सहयोगी कार्यकताओं का समिति की ओर से सम्मान किया जाएगा। अन्त में श्री जी को शोभायात्रा के साथ मंदिर की वेदी में विराजमान किया जाएगा। इसी के साथ दस दिवसीय महाआयोजन का समापन हो जाएगा। प्रदीप जैन एवं गजेन्द्र बड़जात्या ने बताया कि बुधवार 25 अक्टूबर को आचार्य श्री प्रातः 7.00 बजे भट्टारक जी की नसियां से मंगल विहार कर राजस्थान विधानसभा के बाहर पहुंचेगे। जहां राजस्थान जैन युवा महासभा परिवार एवं ज्योतिनगर जैन समाज की ओर से भव्य अगवानी की जायेगी।

जैन सोशयल ग्रुप्स का जैन एकर्स-जेएसजी क्रिकेट प्रीमियर लीग

जयपुर. शाबाश इंडिया

जेएसजीआईएफ नॉर्दन रीजन के तत्वावधान में एस जे पब्लिक स्कूल जयपुर में क्रिकेट टूर्नामेंट 08 अक्टूबर, 23 को शुरू हुआ जिसका समापन दिनांक 22.10.2023 को हुआ। इस टूर्नामेंट के होस्ट ग्रुप जेएसजी यूनिवर्स एवं को-होस्ट ग्रुप जेएसजी वीनस थे। रीजन सचिव सिद्धार्थ जैन ने बताया टूर्नामेंट में ऑवरआर्म में जेएसजी एमरल्ड विजय रही एवं अंडर आर्म के अन-मैरिड मेन में जनक, मेरिड मेल्स में स्कॉर्पियों और महिला वर्ग में संगिनी संस्कार विजेता रहे। रीजन चेयरमैन महेन्द्र सिंघवी एवं क्रिकेट टूर्नामेंट के मुख्य समन्वयक महेन्द्र गिरधरवाल ने बताया कि इस टूर्नामेंट में 108 टीमें एक साथ खेली जो कि एक नया कीर्तिमान बना। जिसके प्रमाण-पत्र व मेडल भी मौके पर ही दिये गये। टूर्नामेंट के मुख्य सलाहकार राकेश जैन एवं सलाहकार उजास जैन ने बताया की कार्यक्रम में दीप प्रज्वलन डॉ. अर्चना शर्मा अध्यक्ष समाज कल्याण बोर्ड ने किया एवं कार्यक्रम के मुख्य अतिथी रफीक खान विद्यायक आदर्श नगर जयपुर एवं विशिष्ट अतिथी महेन्द्र गिरधरवाल-सचिव जेएसजी आईएफ, पार्षद पारस जैन-वार्ड न. 80, श्रीमती सोनल जैन - निदेशक जैन एकर्स, निदेशक श्रीमति आंकाक्षा हाड़ा रहे। रीजन के वाईस चेयरमैन नरेश रावकां, मनीष जैन (कोटा), रविन्द्र बिलाला ने होस्ट ग्रुप जेएसजी यूनिवर्स के दीक्षान्त हाड़ा, अंकुर जैन एवं टीम, को-होस्ट जेएसजी वीनस ग्रुप के नितिन जैन, मनीष लुहाडिया एवं टीम तथा सभी क्रिकेट कन्वीनर, कॉआर्डिनेटर, सभी सहयोगी संस्थाओ को धन्यवाद ज्ञापित किया। मंच संचालन रीजन के चेयरमैन इलेक्ट राजीव पाटनी ने किया और बताया कि क्रिकेट एरीना की संपूर्ण जिम्मेदारी रीजन के संयुक्त सचिव डॉ. राजीव जैन, राजकुमार जैन, कोषाध्यक्ष मनोज जैन, पीआरओ धीरज पाटनी व राजेश काला की देखरेख में मुकेश कासलीवाल, अंकित जैन, नीलेश जैन, रूपेश जैन, जितेश जैन, गौरव जैन, आशीष तोतुका इत्यादि ने संपूर्ण की। शैलेन्द्र शाह, सुधीर गंगवाल, माणक मेहता 15 दिवसीय महोत्सव में स्वादिष्ट व्यंजनों का खिलाडियों एवं मेहमानों ने पूरी तरह से लुफ्त उठाया। जेएसजी वीनस के नवीन गंगवाल, अक्षय जैन, हरीश जैन, महेन्द्र जैन ने बताया कि क्रिकेट टूर्नामेंट के दौरान प्रतिदिन लक्की ड्रॉ द्वारा 09 गिफ्ट दी गयी, जिसकी सभी ग्रुप्स द्वारा भूरी-भूरी प्रशंसा की जा रही है। रीजन के सचिव सिद्धार्थ जैन ने राज्यभर से आये अतिथी, सभी क्रिकेट टीम एवं खिलाडी, स्पोंसर को-स्पोंसर, एसोसियेट पार्टनरस, सभी पूर्व रीजन चेयरमैन, सभी जेएसजीयन साथियों एवं सभी प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से जुड़े लोगों एवं सहयोगी संस्थाओं का धन्यवाद ज्ञापित किया।

रिपोर्ट महेन्द्र गिरधरवाल
मुख्य समन्वयक-क्रिकेट टूर्नामेंट

हरीपर्वत जैन मंदिर में तीन दिवसीय श्री दिगंबर जैन श्रमण संस्कृति पाठशाला महाअधिवेशन का हुआ समापन

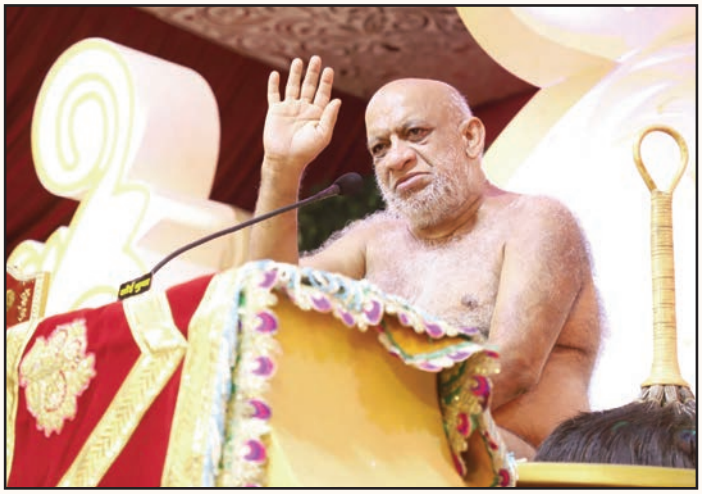

आगरा. शाबाश इंडिया

हरीपर्वत स्थित श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर के अमृत सुधा सभागार में संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के परम शिष्य निर्यापक मुनिपुंगव श्री सुधासागर जी महाराज ससंघ के मंगल सानिध्य एवं भारतवर्षीय श्रमण संस्कृति परीक्षा बोर्ड सांगानेर जयपुर के तत्वावधान में 21 अक्टूबर से तीन दिवसीय श्री दिगंबर जैन श्रमण संस्कृति पाठशाला महाअधिवेशन का आयोजन किया जा रहा था। जिसका समापन मांगलिक गतिविधियों के साथ 23 अक्टूबर को हुआ। श्री दिगंबर जैन श्रमण संस्कृति पाठशाला अधिवेशन के अंतिम दिन का शुभारंभ सर्वप्रथम गुरुभक्तों ने संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज एवं आचार्य श्री ज्ञानसागर जी महाराज के चित्र का अनावरण एवं दीप प्रज्जव्वलन के साथ किया। तत्पश्चात पाठशाला की बालिकाओं ने भक्ति गीत पर मंगलाचरण की प्रस्तुति दी। साथ ही बाहर से आये हुए गुरुभक्तों ने मुनिश्री का पाद प्रक्षालन एवं शास्त्र भेंटकर मंगल आशीर्वाद प्राप्त किया । इसके उपरांत पूरे देशभर के 100 पाठशाला से अधिक छात्र-छात्राएं और शिक्षक शिक्षिकाएं एवं गुरुभक्तों ने अलग- अलग परिधानों में आकर अष्ट द्रव्यो की थाल सजाकर गुरूदेव का संगीतमय गुरू पूजन किया। पाठशाला अधिवेशन में मुनिश्री ने भक्तों को उद्बोधन देते हुए उनके कल्याण के मार्ग को प्रशस्त किया। इसके बाद दोपहर 01:00 बजे श्रमण संस्कृति सांगानेर के द्वारा संचालित 100 पाठशाला के बालक-बालिका मंडलों द्वारा नृत्य की प्रतियोगिता आयोजित की गई दोपहर 3:00 बजे से भारतवर्षीय श्रमण संस्कृति परीक्षा बोर्ड सांगानेर जयपुर के पदाधिकारीओं द्वारा धर्म प्रभावना शोभायात्रा में 100 पाठशाला से अधिक छात्र-छात्राएं आकर्षण झांकियां सजाकर लाए उन सभी को पुरस्कार देकर सम्मानित कियो इसके पश्चात पाठशाला शोभायात्रा में प्रथम, द्वितीय,तृतीय,आने वाली पाठशाला को एवं नृत्य प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय,तृतीय आने वाली पाठशाला को प्रतीक देकर सम्मानित कियोपाठशाला अधिवेशन का संचालन कार्यक्रम के मुख्य संयोजक प्रदीप जैन शास्त्री द्वारा किया गया। इस दौरान अमृत सुधा सभागार में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं एवं शिक्षक शिक्षिकाओं ने सहभागिता की । महाधिवेशन में आए हुए छोटे बच्चों का सैलाब किसी भी महाकुंभ से कम नहीं था। इस अवसर पर प्रदीप जैन पीएनसी,निर्मल मोठ्या,मनोज बाकलीवाल,नीरज जैन, पन्नालाल बैनाड़ा,हीरालाल बैनाड़ा, अमित जैन बॉबी,राजेश सेठी,विवेक बैनाड़ा,नरेश जैन,अनिल जैन रईस, मीडिया प्रभारी शुभम जैन,राहुल जैन, समस्त आगरा सकल जैन समाज के लोग एवं कोटा,रामगंजमंडी बिजोलिया ललितपुर,सांगानेर,जयपुर,टोंक,निवाई देवली, झांसी, गुना, भोपाल, दमोह, इंदौर विदिशा, सागर, गंजबसोदा, पथरिया, महरौली, मंडावरा, सिहोर, आंवा, के गुरुभक्त बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

रिपोर्ट मीडिया प्रभारी शुभम जैन

विशेष मति माताजी के दीक्षा दिवस पर आयोजित दस दिवसीय कार्यक्रम का भक्तामर विधान, गुरु पूजा के साथ आज समापन

जयपुर. शाबाश इंडिया। जनकपुरी ज्योतिनगर जैन मंदिर में बालयोगिनी आर्यिका विशेष मति माताजी के दीक्षा दिवस के उपलक्ष में चल रहे दस दिवसीय कार्यक्रम का आज मुख्य कार्यक्रम आयोजित होगा । प्रबन्ध समिति अध्यक्ष पदम जैन बिलाला ने बताया कि मन्दिर जी में चल रहे भक्तामर पाठ में सोमवार को दस मण्डल पर दस परिवारों ने दीप अर्चना कर धर्म लाभ लिया । मंगलवार को आर्यिका श्री का सोलहवाँ दीक्षा दिवस मनाया जाएगा जिसमे साज बाज के साथ 16 मंडलीय भक्तामर मण्डल विधान के साथ गुरु पूजन आदि कई कार्यक्रम होंगे। कार्यक्रम में माताजी की सोलह वर्ष पूर्व कोटा में हुई दीक्षा के साक्षी , विशुद्ध मति माताजी के स्थानीय भक्त तथा नैनवा मालपुरा कुचामन जोबनेर मिठड़ी सहित कई जगह से सहभागिता करेंगे ।

108 कुंडीय विश्व शांति महायज्ञ में सवा करोड़ मंत्रों की दी आहुतियां

भव्य प्रदर्शन करने वालों को किया जैन समाज ने सम्मानित, समवशरण महा मंडल विधान के समापन पर निकली विशाल रजत रथयात्रा

अशोक नगर. शाबाश इंडिया। श्री मद् जिनेन्द्र चौबीस समवशरण महा मंडल विधान एवं विश्व शांति महायज्ञ के समापन पर महोत्सव के पात्रों के साथ शहर के प्रमुख मार्गों से भव्य विशाल रजत रथयात्रा निकाली गई। इसके पहले सुभाष गंज मैदान में एक सौ आठ कुंडीय श्री विश्व शांति महायज्ञ में सवा करोड़ मंत्रों की आहुतियां प्रतिष्ठा चार्य प्रदीप भइया शुयस एवं मुकेश भइया के मंत्रोच्चार के साथ दी गई। इसके पहले आज आचार्य श्री आर्जव सागर जी महाराज के श्री मुख से विश्व शांति की कामना के लिए ब्रहदमंत्र से शान्ति धारा कराई गई इस दौरान उन्होंने कहा कि आज हम सब भगवान के चरणों में बैठकर जगत के कल्याण की कामना कर रहे हैं। तीर्थंकर प्रभु ने जगत के कल्याण की कामना की तो उनका तो कल्याण हो ही गया ऐसे ही आप भी जगत के कल्याण भी भावना बनाये रखें तो आपका कल्याण निश्चित होगा समवशरण में सभी ने बहुत सुंदर कार्य किया कई मंडल रात रात भर जागते रहें। उन्होंने पात्रों से भी अधिक पुण्य कमाया है सेवा करने वालों को भी भरपूर पुण्य मिलता है ।

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप डायमंड का भव्य गेट टू गेदर का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप डायमंड ने पांच सितारा होटल ओम टावर में अपनी रंगारंग पार्टी आयोजित की। कार्यक्रम में उपस्थित सभी का अभिवादन कर सदस्यो का रजिस्ट्रसेन किया गया । अध्यक्ष प्रमोद सोनल जैन व सचिव रमेश चंद संजना छाबड़ा ने बताया कि संयोजको द्वारा बनाए गए मनोरंजक गेम कपल दंपती सदस्य व बच्चों को खिलाया गया । जिसमें प्रथम स्थान पर टीकम दीपशिखा और आस्था जैन रहे। कार्यक्रम में संस्थापक अध्यक्ष यश कमल संगीता अजमेरा की भी गरिमामई उपस्थिति रही। आए हुए सभी दंपती सदस्यों को संयोजकों द्वारा गिफ्ट दिए गए। एथेनिक ड्रेस कोड में सुसज्जित दंपति सदस्यों ने डांडिया व जमकर डांस मस्ती भी की। रिवॉलिंग रेस्टोरेंट ओम टावर में शाम के डिनर पूरे जयपुर के नजारे देखते हुए किया। सभी ने प्रोग्राम को बहुत सराहा व खूब एंजॉय किया। कार्यक्रम में संयोजक अनिल प्रिया जैन , सुब्रत प्रीति जैन, व मनोज अमिता अजमेरा थे। अन्त में सोनल जैन ने डांडिया बेस हाउजी खिलाकर विदा ली। प्रोग्राम में कुल 65 सदस्य उपस्थित रहे। कोषाध्यक्ष एस के आभा गंगवाल ने आभार प्रकट किया।